जून 2021 | संस्करण. 2 | अंक. 3

स्वामी विवेकानन्द हेल्थ मिशन सोसाइटी, उत्तराखण्ड

मासिक वृतांत - जून 2021

सामुदायिक स्वास्थ्य शिविर

29 गाँवो में कुल 9 शिविरों का आयोजन किया गया, जिसमें कुल 1055 लोग लाभान्वित हुए

ये शिविर मौसम संबंधित स्वास्थ्य समस्याओं और बीमारी से जूझ रहे ग्रामीणों तथा कोविड 19 महामारी के कारण घर / गाँव से बाहर जाने से डर रहे लोगों के लिए एक बड़ी राहत बने। हमारे चिकित्सा शिविर सुदूर गांवों और अन्य स्थानों पर आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करने में बहुत सहायक रहे हैं।

इन शिविरों में दी जाने वाली सेवाओं में सामान्य स्वास्थ्य जांच के अतिरिक्त अन्य सुविधाएं भी होती हैं, जिसमें की रक्तचाप, तापमान, शुगर तथा ऑक्सीजन जांच और रोगी की आवश्यकता एवं बीमारी के अनुसार नेबुलाइजेशन और ईसीजी सुविधा भी शामिल होती हैं। हमेशा की तरह, रोगियों को सभी सुविधाएं और दवाएं निःशुल्क दी गईं।

पीपलकोटी चिकित्सालय (बद्रीनाथ मार्ग)

18 गाँवो में कुल 6 शिविरों का आयोजन किया गया, जिसमें कुल 720 लोग लाभान्वित हुए

10-06-2021: पंजीकरण, लासी गाँव

01-06-2021: तापमान की जांच, किसान नगर गाँव

पीपलकोटी चिकित्सालय द्वारा चमोली जिले के दशोली ब्लॉक के किसान नगर, द्विंग, सोनला, सरतोली, लासी और बच्छेर गाँवो में कुल 6 सामुदायिक चिकित्सा शिविरों का आयोजन किया गया। ये शिविर क्रमशः 1, 2, 4, 7, 10 और 14 जून को आयोजित किए गए। ये शिविर पीपलकोटी चिकित्सालय से निकटतम 200 मीटर एवं अधिकतम 38 किमी की दूरी पर स्थित थे।

इनमे से द्विंग और सोनला गाँवो के शिविर के लिए दवाईयाँ और अन्य कैंप सामग्री को खच्चरों पर लगभग 1 से 3 किमी की दूरी तक लेकर जाना पड़ा।

कोविड माइक्रो कंटेनमेंट जोन में चिकित्सा शिविर: एक प्रतिबद्धता

पीपलकोटी चिकित्सालय से 200 मीटर की दूरी पर स्थित अगथला वार्ड के किसान नगर गाँव में 17 लोगों का कोरोना टेस्ट पॉजिटिव आने के बाद इस गाँव को माइक्रो कंटेनमेंट जोन में परिवर्तित कर दिया गया और जिसके कारण आने जाने पर रोक लग गयी।

पीपलकोटी चिकित्सालय की टीम ने स्थिति के बारे में जानने के पश्चात भी, "नर सेवा नारायण सेवा" के अपने ध्येय को यथावत रखा और इस गाँव में चिकित्सीय शिविर आयोजित किया। गाँव में कोई भी अन्य स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध नहीं थीं जिससे ग्रामीणों को काफी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा था, तब हमारे चिकित्सालय की टीम ने गाँव के लोगों की स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए चिकित्सा शिविर का संचालन किया और इसके अतिरिक्त कोविड प्रभावित रोगियों को भी अपनी सेवाएं प्रदान की।

पेटशाल चिकित्सालय (जागेश्वर धाम मार्ग, अल्मोड़ा)

2 गाँवो में कुल 2 शिविरों का आयोजन किया गया, जिसमें कुल 113 लोग लाभान्वित हुए

पेटशाल चिकित्सालय द्वारा अल्मोड़ा जिले के भैसिया छाना ब्लॉक के सुपई गाँव और हवाल बाग़ ब्लॉक के कनाल बुंगा गाँव में 2 सामुदायिक चिकित्सा शिविरों का आयोजन किया गया । ये गाँव हमारे चिकित्सालय से लगभग 15 किमी और 45 किमी की दूरी पर स्थित हैं। ये शिविर 28 और 30 जून को आयोजित किए गए थे। इन शिविरों में घावों की ड्रेसिंग और प्लास्टर लगाना (पीओपी) जैसी प्रक्रियाएं भी हमारे स्टाफ द्वारा निःशुल्क उपलब्ध कराई गईं।

30-06-2021: पंजीकरण एवं वाइटलस (vitals) मॉनिटरिंग, कनाल बुंगा गाँव

28-06-2021: रोगी को प्लास्टर लगते हुए , सुपई गाँव

हरिद्वार चिकित्सालय

12 गाँवो में कुल 9 शिविरों का आयोजन किया गया, जिसमें कुल 222 लोग लाभान्वित हुए

09-06-2021 एवं 12-06-2021: रोगियों की जांच इत्यादि, जगन्नाथ धाम भीमगोड़ा और रविदास बस्ती

हरिद्वार शहर के ज्वालापुर पंजाबी धर्मशाला, मां वैष्णो देवी स्कूल, जगन्नाथ धाम आश्रम भीमगोड़ा, शीतला माता मंदिर, बैरागी कैंप, सूरतगिरि बंगला, बाल्मीकि बस्ती, रविदास बस्ती और हरि कृष्ण धाम भीमगोड़ा सहित हरिद्वार चिकित्सालय द्वारा कुल 12 सामुदायिक चिकित्सा शिविरों का आयोजन किया गया।
ये शिविर स्थल चिकित्सालय से निकटतम 5 किमी से लेकर अधिकतम 38 किमी की दूरी पर स्थित थे। ये शिविर क्रमशः 8, 9, 10, 11, 12, 15 और 16 जून को आयोजित किए गए थे। हमेशा की तरह समस्त दवाएं व सुविधाएं निःशुल्क प्रदान करी गयीं।

शिविर में निदान और उपचार की जाने वाली मुख्य बीमारियों :

कोविड जैसे लक्षण के रोगी, बुखार/जुकाम/खाँसी, हड्डी संबंधित रोग, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, पेट संबंधित रोग, मांसपेशियों और शरीर में दर्द, त्वचा संबंधित रोग, दृष्टि दोष, आदि।

कोविड केयर

धर्मावाला, हरिद्वार, नारायणकोटी और पीपलकोटी

धर्मावाला चिकित्सालय में कोविड रोगी की फिजियोथेरेपी

कोविड केयर में रोगी - हरिद्वार

कोविड केयर में रोगी - धर्मावाला

कोविड केयर में रोगी - पीपलकोटी

कोविड केयर में रोगी - नारायणकोटी

प्लास्टर (पीओपी) : 443

एसवीएचएम चिकित्सालय

प्लास्टर (पीओपी) लगाते हुए :

धर्मावाला

पेटशाल

हरिद्वार

बड़कोट

नारायणकोटी

सर्जरी 111 (49 मेजर और 62 माइनर)

धर्मावाला, बड़कोट, नारायणकोटी और हरिद्वार

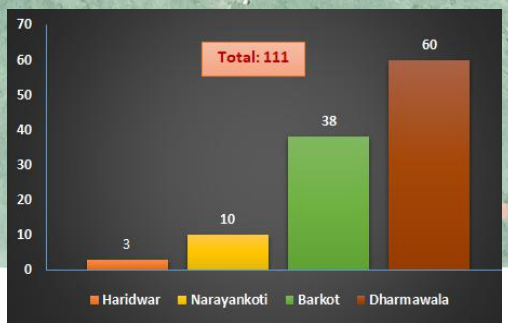

1 जून 2021 से धर्मावाला और हरिद्वार के चिकित्सालयों में सर्जरी पुनः प्रारंभ हो गयी ।

हरिद्वार: डॉ. एन. एस. चौहान (जन. सर्जन) और डॉ. सी. बी. वर्मा (एनेस्थेटिस्ट), ओटी टीम के साथ लेपरोस्कोपिक Laparoscopic Cholecystectomy सर्जरी करते हुए

धर्मावाला: डॉ. श्रेया अग्रवाल (ई.एन.टी. सर्जन) और डॉ. निमिष गुप्ता (ओरल और मैक्सिलो फेशियल सर्जन), ओ.टी. टीम के साथ Hemithyroidectomy सर्जरी करते हुए

उत्कृष्ट उदाहरण

टूटे हुए दांत को सफलतापूर्वक जोड़ा गया (Dental Reimplantation) : हरिद्वार

स्वामी रामप्रकाश धर्मार्थ चिकित्सालय के दंत चिकित्सा विभाग में 22 वर्षीय एक पुरुष रोगी आया, जिसको चोट लगने के कारण उसके ऊपर के सामने का दांत टूट गया था। युवक अपने टूटे हुए दांत को आइस-बॉक्स में साथ लेकर इस उम्मीद से आया था की शायद उस टूटे हुए दांत को फिर से लगा दिया जाए ।

दन्त विभाग ने परिस्थिति को समझने के पश्चात दांत को वापस उसी स्थान में लगाने का निर्णय लिया। रोगी को जरुरी उपचार देने के बाद, उसके टूटे हुए दांत को हल्के दबाव के साथ रूट कैनाल तकनीक की सहायता से टांका लगाकर वापस उसी स्थान पर सुरक्षित तरीके से लगा दिया।

रोगी को अपने दांत को वापस लगाये जाने से अत्यंत ख़ुशी हुई व उसने दन्त चिकित्सा विभाग की काफी सराहना की ।

प्रतिरोपण (रीइम्प्लन्टेशन) से पहले टूटा हुआ दांत प्रतिरोपण (रीइम्प्लन्टेशन) के बाद

गर्भाशय/बच्चेदानी की रसौली (Uterine Fibroid) की सर्जरी : धर्मावाला

कालसी की एक 32 वर्षीय अविवाहित महिला रोगी गत एक वर्ष से पेट में सूजन और पिछले डेढ़ महीने से मासिक धर्म में अनियमितता की शिकायत के साथ चिकित्सालय के ओपीडी में आयी। साथ ही, उसे काफी कमजोरी और थकान की अतिरिक्त शिकायतें भी थीं। खून की जाचं करने पर उसका हीमोग्लोबिन का स्तर 2.6 gm% पाया गया जो की गंभीर एनीमिया की श्रेणी में आता था। अल्ट्रासाउंड करने पर उसके गर्भाशय में एक बड़े आकार की रसौली (Uterine Fibroid) का पता चला। ऐसे में ऑपरेशन द्वारा गर्भाशय की रसौली को पूरी तरह से निकालना ही रोगी के लिए सर्वोत्तम उपचार प्रतीत हो रहा था ।

अत्यंत गरीब सामाजिक व आर्थिक पृष्ठभूमि से होने के कारण वह किसी भी अन्य निजी चिकिसालय में उपचार का खर्च उठाने में असमर्थ थी। रोगी की परिस्थिति को देखते हुए हमारे चिकित्सालय ने उसे भर्ती कर लिया गया एवं 6 यूनिट रक्त की व्यवस्था कर उसे रक्त चढ़ाया गया। यह सुनिश्चित किया गया ऑपरेशन से पूर्व उसका हीमोग्लोबिन सुरक्षित स्तर तक आ जाए और ऑपरेशन की प्रक्रिया की जा सके ।

संतोषजनक हीमोग्लोबिन स्तर और कोविड 19 नेगेटिव जांच सहित अन्य नियमित ऑपरेशन पूर्व जांचों में फिट पाए जाने के बाद डॉ. नरेंद्र चौहान और डॉ. वैभव प्रताप सिंह की सर्जरी टीम रोगी का सफलतापूर्वक ऑपरेशन किया गया। इसमें एनेस्थीसिया डॉ. सी.बी. वर्मा द्वारा दिया गया। दो घंटे से अधिक समय तक चले इस ऑपरेशन के बाद रोगी के पेट से लगभग 5.5 किलो वजन की रसौली को निकाला गया। ऑपरेशन के बाद रोगी पूरी तरह से स्वस्थ रही और हमारे चिकित्सालय द्वारा फिर से एक कीमती जान बचा ली गई। ऑपरेशन सहित रोगी का पूरा उपचार निःशुल्क किया गया।

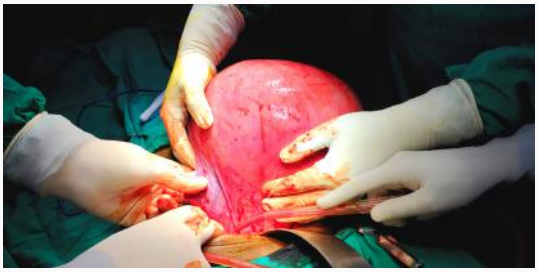

जनरल सर्जन: डॉ. एन. एस. चौहान, डॉ. वैभव प्रताप सिंह और एनेस्थेटिस्ट डॉ. सी. बी. वर्मा, ओ.टी. टीम के साथ गर्भाशय की रसोली का ऑपरेशन करते हुए

रपचरड एक्टोपिक गर्भावस्था (Ruptured Ectopic Pregnancy) : नारायणकोटी

ओपीडी प्रतीक्षालय- नारायणकोटी चिकित्सालय

34 वर्षीय एक महिला पेट में तेज दर्द और कम/रुक रुक कर पेशाब होने की शिकायत के साथ चिकित्सालय में आयी। जाँच करने पर उसका ब्लड प्रेशर 90/70 mmHg एवं पल्स रेट 125/min था। रोगी को 5 महीने से मासिक भी नहीं आया था और उसने कुछ वर्ष पहले परिवार नियोजन का ऑपरेशन भी करवाया हुआ था। गर्भवती होने की शंका के लिए तुरंत यूरिन टेस्ट कराया गया जो कि पॉजिटिव निकला और रोगी की स्थिति रपचरड (Ruptured) एक्टोपिक गर्भावस्था (ectopic pregnancy) की ओर इशारा कर रहा था। बिना समय गवाएं रोगी का उपचार प्रारम्भ कर दिया गया।

रोगी कि हालत स्थिर होने पर उसे आगे के उपचार के लिए एम्स ऋषिकेश के लिए संदर्भित कर दिया गया। एसवीएचएम सोसायटी और एम्स ऋषिकेश के बीच चिकित्सीय सहयोग के चलते पहले से ही रोगी को दी गयी चिकित्सा का विवरण और अन्य आवश्यक जानकारी एम्स के साथ साझा कर दी गई थी ताकि उसका उपचार जल्द ही शुरू हो सके।

एम्स ऋषिकेश में किए गए अल्ट्रासाउंड में रपचरड (Ruptured ectopic pregnancy) एक्टोपिक गर्भावस्था की पुष्टि हो गयी और नारायणकोटी चिकित्सालय द्वारा की गयी डायग्नोसिस भी सही साबित हुयी। एम्स में रोगी की इमरजेंसी सर्जरी की गयी, जिसके फलस्वरूप रोगी के स्वास्थ्य में सुधार होने लगा। समय पर हस्तक्षेप कर पुनः एक अनमोल जीवन को बचा लिया गया ।

उल्लेखनीय घटनाएँ

हरिद्वार

पोस्ट कोविड केयर चिकित्सालय का उद्घाटन

5 जून 2021 को स्वामी रामप्रकाश धर्मार्थ चिकित्सालय, हरिद्वार में पोस्ट कोविड केयर यूनिट का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में महामंडलेश्वर स्वामी रूपेन्द्र प्रकाश महाराज जी (अध्यक्ष प्राचीन अवधूत मंडल आश्रम श्री पंचायती अखाड़ा बड़ा उदासीन) ने वस्तुतः (virtually) भाग लिया।

इस अवसर पर, सिडकुल इंडस्ट्रियल एसोसिएशन, हरिद्वार द्वारा 4 ऑक्सीजन कंसनट्रेटर और 4 आधुनिकतम ईसीजी मॉनीटर्स स्वामी रामप्रकाश धर्मार्थ चिकित्सालय को दिए गए। ये आधुनिक उपकरण कोविड के बाद होने वाली समस्याओं के उपचार में अत्यधिक महत्वपूर्ण सिद्ध होंगे।

पोस्ट कोविड लंग्स फाइब्रोसिस (Post COVID Lung Fibrosis) और हृदय रोग शिविर

20 जून 2021 को स्वामी रामप्रकाश धर्मार्थ चिकित्सालय, हरिद्वार द्वारा पोस्ट कोविड लंग्स फाइब्रोसिस और हृदय रोग शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें मैक्स अस्पताल दिल्ली के हृदय और फेफड़े के प्रत्यारोपण सर्जन डॉ राहुल चंदोला ने अपनी स्वैच्छिक सेवाएं प्रदान की।

कुल 66 लोगों ने पंजीकरण कराया और इस शिविर का लाभ लिया।

डॉ. राहुल चंदोला (हृदय और फेफड़े के प्रत्यारोपण सर्जन) रोगी से परामर्श करते हुए।

टूटे हुए दांत के प्रबंधन पर क्लिनिकल बैठक

स्वामी रामप्रकाश धर्मार्थ चिकित्सालय, हरिद्वार में एक क्लिनिकल बैठक आयोजित की गई, जिसमें **डॉ. मोनिका** द्वारा टूटे दांत के प्रबंधन पर एक छोटी और प्रभावी प्रस्तुति दी गई।

नोट: इन क्लिनिकल बैठकों का आयोजन नियमित रूप से हर मंगलवार को किया जा रहा है, जिनमें से एक बैठक का विवरण यहाँ प्रस्तुत किया गया है ।

सिडकुल इंडस्ट्रियल एसोसिएशन, हरिद्वार के सदस्य दान सामग्री एवं हरिद्वार चिकित्सालय के स्टाफ के साथ

पोस्ट कोविड लंग्स फाइब्रोसिस और हृदय रोग शिविर के कुछ झलकियाँ

टूटे हुए दांत के प्रबंधन पर क्लिनिकल बैठक

उल्लेखनीय घटनाएँ

धर्मावाला

रविवार सुपर और मल्टी स्पेशलिटी शिविर:

04 शिविरों का आयोजन किया गया, जिसमें कुल 802 लोग लाभान्वित हुए

पंजीकरण पंक्ति

यूरोसर्जरी

डॉ. आशुतोष मिश्रा (हृदय रोग विशेषज्ञ) ECHO टेस्ट करते हुए

कोविड टीकाकरण और परीक्षण:

धर्मावाला चिकित्सालय के सहयोग से **पीएचसी (PHC) कुंजाग्रंट** की टीम ने **कोविड टीकाकरण** का कार्य हमारे चिकित्सालय में जारी रखा। कुल किए गए टीकाकरण: **1,068**

24 जून को रोगियों और कर्मचारियों के लिए धर्मावाला में एसडीएच (SDH) विकासनगर की टीम के द्वारा कोविड परीक्षण किया गया । कुल किये गए RTPCR और RAT : 125

कोविड टीकाकरण (कोविशील्ड) कार्यक्रम

कोविड परीक्षण कार्यक्रम (RTPCR and RAT)

धर्मावाला: सेवा इंटरनेशनल संस्था, नई दिल्ली द्वारा 8 वेंटीलेटर्स दान किये गए

पीपलकोटी: आगाज़ फाउंडेशन, पीपलकोटी द्वारा 1 ऑक्सीजन कंसनट्रेटर दान किया गया

धर्मावाला: श्री सहदेव सिंह पुण्डीर (भाजपा विधायक, सहसपुर विधान सभा, जिला देहरादून) द्वारा 10 हॉस्पिटल बेड, 10 आई वी स्टैंड, 10 चादरें और तकिए के कवर दान किये गए।

पीपलकोटि : छत्रपति शिवाजी महाराज दिवस मनाया गया

सभी एसवीएचएम चिकित्सालयों में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (21 जून) मनाया गया

हरिद्वार

पीपलकोटी

पेटशाल

आँकड़े

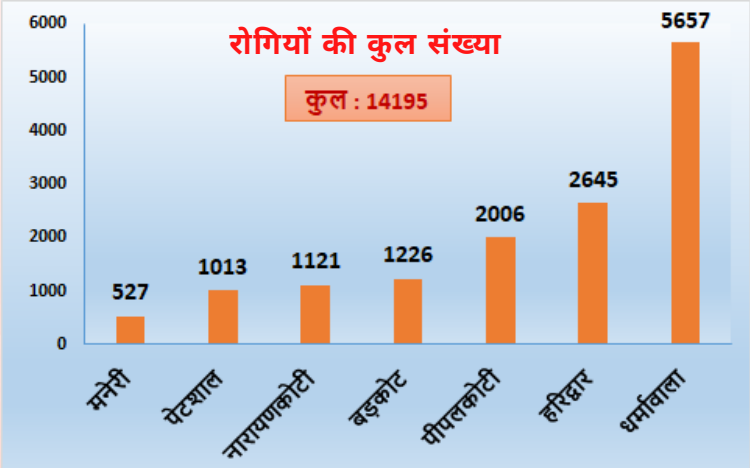

पंजीकरण - धर्मावाला

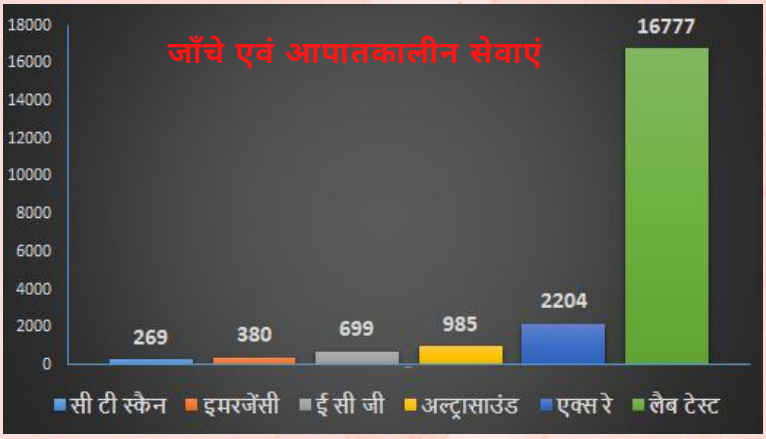

सीटी स्कैन की सुविधा केवल धर्मावाला चिकित्सालय में उपलब्ध है।
अल्ट्रासाउंड की सुविधा, धर्मावाला और हरिद्वार के चिकित्सालयों में उपलब्ध है।

ई.सी.जी. - बड़कोट

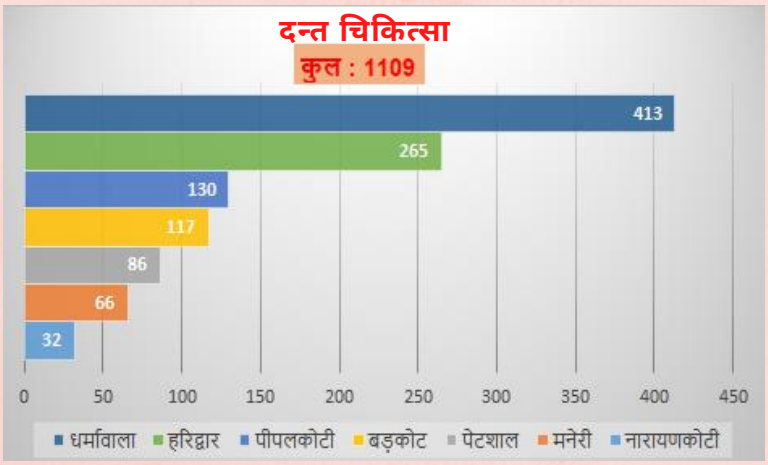

हमारे धर्मावाला, बड़कोट, पीपलकोटी, पेटशाल, मनेरी और नारायणकोटी के चिकित्सालयों में दन्त ओपीडी की सुविधा उपलब्ध है। हरिद्वार के दन्त ओपीडी को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया था क्योंकि इसे कोविड केयर सेंटर में परिवर्तित कर दिया गया था।

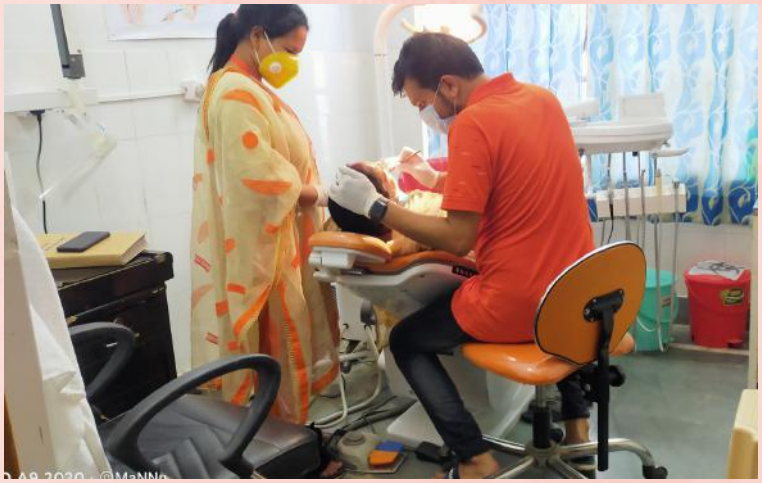

दन्त चिकित्सा - नारायणकोटी

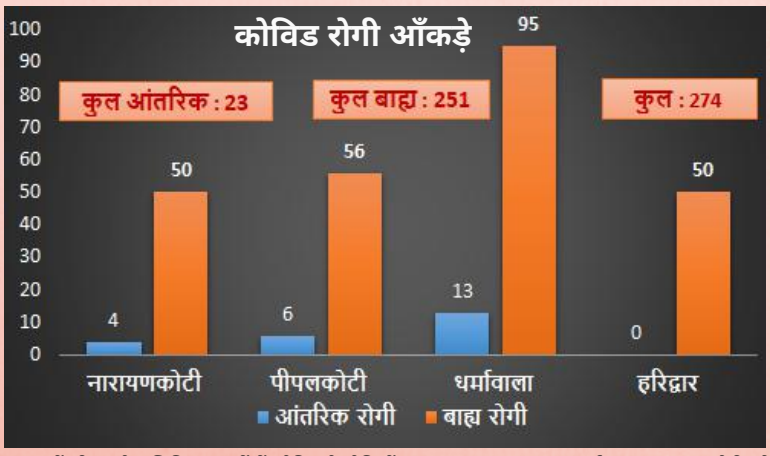

जून माह में भी हमारे 3 चिकित्सालयों में कोविड के रोगियों का उपचार चलता रहा : धर्मावाला, नारायणकोटी और पीपलकोटी।
हरिद्वार चिकित्सालय में कोई नया कोविड रोगी नहीं होने के कारण, 1 जून से कोविड वार्ड को बंद कर दिया गया।

कोविड उपचार के अंतर्गत रोगी - नारायणकोटी

नर सेवा

नारायण सेवा

स्वामी विवेकानन्द हेल्थ मिशन सोसाइटी, उत्तराखण्ड

मासिक वृतांत

जून 2021

आपका अमूल्य दान है एक वरदान :
स्वामी विवेकानन्द हेल्थ मिशन सोसाइटी
खाता संख्या: 32584491256
आई एफ एस सी कोड: SBIN0010626
शाखा का नाम: सी एस टी हरबर्टपुर, देहरादून

https://svhmuk.in
https://twitter.com/svhmuk
https://www.instagram.com/svhmuk/
svhmuk@gmail.com; anujdrs@gmail.com

सभी दान आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 80G के तहत कर-मुक्त हैं।

धर्मावाला, देहरादून

मनेरी, गंगोत्री मार्ग

नारायणकोटी, केदारनाथ मार्ग

बड़कोट, यमुनोत्री मार्ग

पीपलकोटी, बद्रीनाथ मार्ग

बद्रीनाथ धाम, चमोली

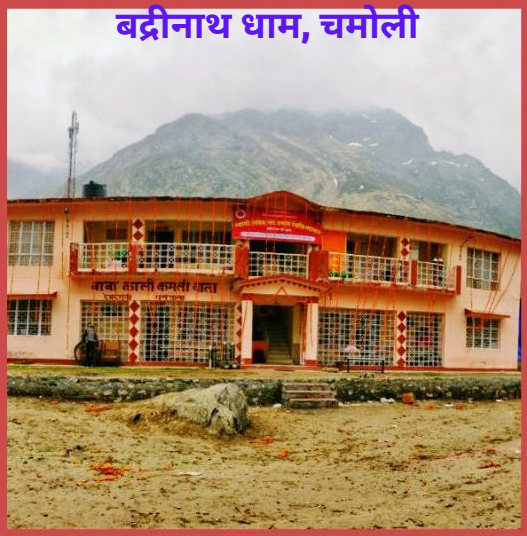

पेटशाल, जागेश्वर धाम मार्ग

केदारनाथ धाम, रुद्रप्रयाग

हरिद्वार